INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

SIT की पड़ताल पूरी होने तक विपक्ष और मीडिया पर रहेगी रोक

By : Editor Published On : 2 Oct, 2020 05:10 PM IST

हाथरस गैंगरेप केस में हंगामा और राजनीति जारी है। पुलिस न तो विपक्षी नेताओं नेताओं को पीड़ित परिवार से मिलने दे रही और न ही मीडिया को एंट्री दी जा रही। गांव की सीमाओं पर पुलिस ने बैरिकेड लगा रखे हैं। इस बीच पुलिस ने दोपहर 3:50 बजे सफाई दी। एक अफसर ने कहा कि मीडिया को SIT की पड़ताल होने तक रोका गया है। जैसे ही जांच पूरी हो जाएगी, मीडिया को पीड़ित के गांव (चंदपा) में जाने की परमिशन दे देंगे।

पुलिस ने तृणमूल सांसद को धक्का देकर गिराया

इससे पहले तृणमूल (टीएमसी) के नेताओं ने गैंगरेप पीड़ित के गांव में जाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने गांव के बाहर ही रोक दिया। तृणमूल सांसद डेरेक ओ'ब्रायन को धक्के मारकर जमीन पर गिरा दिया।

ब्रायन के साथ तृणमूल की 2 महिला सांसद और एक पूर्व सांसद गैंगरेप पीड़ित के परिवार से मिलना चाहते थे। इस डेलिगेशन में शामिल पार्टी की पूर्व सांसद ममता ठाकुर ने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों ने हमारे ब्लाउज खींचे और हमारी सांसद प्रतिमा मंडल पर लाठीचार्ज किया, वे नीचे गिर गईं। फीमेल पुलिस के होते हुए मेल पुलिस ने हमारी सांसद को छूआ। यह शर्म की बात है।

प्रशासन की सफाई- तृणमूल के आरोप झूठे

हाथरस के एसडीएम (सदर), प्रेम प्रकाश मीणा का कहना है कि SIT टीम गांव के अंदर है। जांच प्रभावित नहीं हो, इसलिए किसी को भी अंदर जाने की परमिशन नहीं है। तृणमूल की महिला नेताओं को महिला पुलिसकर्मियों ने वापस जाने को कहा था। जब उन्होंने जबरदस्ती की तो, महिला कांस्टेबलों ने रोका। ये आरोप झूठे हैं कि मेल पुलिस ने महिला नेताओं को छुआ।

पीड़ित परिवार ने CBI जांच की मांग की

एक वीडियो में हाथरस के डीएम प्रवीण लक्षकार पीड़ित परिवार से यह कहते हुए दिख रहे हैं कि मीडिया आज यहां है, कल नहीं रहेगा। आप सरकार की बात मान लीजिए। यह वीडियो वायरल होने के बाद परिवार के किसी भी सदस्य को बाहर नहीं जाने दिया जा रहा। मृतक लड़की के पिता ने CBI जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यूपी पुलिस पर अब भरोसा नहीं रहा, हमें मीडिया वालों से नहीं मिलने दे रहे। घर से निकलने पर भी 10 तरह के सवाल किए जा रहे हैं।

पुलिस ने पीड़ित परिवार के फोन छीने

परिवार का एक बच्चा किसी तरह बाहर निकलकर आया और मीडिया को बताया कि सभी के फोन छीन लिए गए हैं। बच्चे ने कहा कि घरवाले आपसे मिलना चाहते हैं, लेकिन उन्हें रोक रखा है। इसके बाद पुलिस ने बच्चे को भी वहां से भगा दिया।

गांव वालों ने कहा- हमारे साथ भी अपराधियों जैसा सलूक हो रहा

उधर, पुलिस ने हाथरस जिले में धारा-144 लगाने के साथ ही पीड़ित के गांव में नाकेबंदी कर रखी है। पूरे गांव को छावनी बना दिया गया है। गांव के लोगों को भी आईडी दिखाने के बाद ही एंट्री दी जा रही है। पुलिस और प्रशासन के इस रवैए से लोग नाराज हैं। उनका कहना है कि अपने ही गांव में हमसे अपराधियों जैसा सलूक हो रहा है।

पीड़ित के गांव के बाहर पुलिस ने बैरिकेड लगा रखे हैं।

राहुल-प्रियंका को यूपी पुलिस ने 4 घंटे हिरासत में रखा था

राहुल और प्रियंका गांधी गुरुवार को गैंगरेप पीड़ित के परिवार से मिलने जाना चाहते थे। लेकिन, ग्रेटर नोएडा में उनका काफिला रोक लिया गया। वे कार से उतरकर पैदल ही आगे बढ़ने लगे। करीब ढाई किमी चले थे कि इकोटेक-1 थाना इलाके में राहुल-प्रियंका को गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान पुलिसवाले ने राहुल की कॉलर भी पकड़ी। धक्कामुक्की में राहुल जमीन पर गिर गए। राहुल-प्रियंका को पुलिस ने 4 घंटे बाद छोड़ा। (पूरी खबर यहां पढ़ें...)

धक्का-मुक्की के दौरान गिरने से राहुल के हाथ में चोट लग गई थी।

क्या है पूरा मामला ?

हाथरस जिले के चंदपा गांव में 14 सितंबर को 4 लोगों ने 19 साल की युवती से गैंगरेप किया था। आरोपियों ने युवती की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी और उसकी जीभ भी काट दी थी। दिल्ली में इलाज के दौरान पीड़ित की मौत हो गई। चारों आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। हालांकि, पुलिस का दावा है कि दुष्कर्म नहीं हुआ था PLC.

URL : https://www.internationalnewsandviews.com/sit-की-पड़ताल-पूरी-होने-तक-विप/

INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

12th year of news and views excellency

Committed to truth and impartiality

Copyright © 2009 - 2019 International News and Views Corporation. All rights reserved.